Four-day training on “Fish Nutrition, Feed Formulation, Feed Packaging and Marketing” organized by ICAR-CIFE for the feed mill owners of Maharashtra during 13 to 16 October 2025

ICAR-CIFE, in collaboration with the Department of Fisheries, Govt. of Maharashtra, organised a 4-day special skill development training programme on “Fish Nutrition, Feed Formulation, Feed Packaging and Marketing” for the fish feed mill manufacturers of Maharashtra state at Mumbai during 13 to 16 October, 2025. A total of 25 beneficiaries participated in this important training programme. The programme was inaugurated by Dr. N.P. Sahu, Director (Acting) ICAR-CIFE, Mumbai in presence of Dr. K.N. Mohanta, Head, Fish Nutrition, Biochemistry and Physiology Division, ICAR-CIFE and Dr. Sikendra Kumar, Senior Scientist and Coordinator of the training programme and a training manual was released. Dr Sahu, in his inaugural address, highlighted that feed mill owners require basic knowledge on fish nutrition and necessary skills to operate the feed mill. He also told that feed is the most critical and important input, constituting 60-70% of the recurring cost in aquaculture, and to increase the fish production and achieve the target envisaged by Maharashtra government, the state should be self-sufficient in fish feed production. In his welcome address, Dr. Mohanta spoke that in Maharashtra a diverse range of agricultural crops are being cultivated, the by-product of which can be used as fish feed ingredients. He also emphasized that in this hands-on training programme more important is given in practical classes related feed production and their quality assurance rather than the theory classes. Dr. Sikendra Kumar, Coordinator, gave the brief outline of the training programme. At the end of the training programme, the trainees expressed that this training programme was very much useful for them to produce the fish feed production and thanks CIFE, Mumbai and Department of Fisheries, Government of Maharashtra to organize this very important training programme.

आईसीएआर-सीआईएफई द्वारा महाराष्ट्र के मत्स्य खाद्य मिल के मालिकों के लिए 13 से 16 अक्टूबर 2025 के दौरान “मत्स्य पोषण, मत्स्य खाद्य निर्माण, मत्स्य खाद्य पैकेजिंग और विपणन” पर चार दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

आईसीएआर-सीआईएफई ने मत्स्य पालन विभाग, महाराष्ट्र सरकार के सहयोग से 13 से 16 अक्टूबर, 2025 के दौरान मुंबई में महाराष्ट्र राज्य के मत्स्य खाद्य मिल के मालिकों के लिए ““मत्स्य पोषण, *मत्स्य* खाद्य निर्माण, मत्स्य खाद्य पैकेजिंग और विपणन” पर 4 दिवसीय विशेष कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 25 लाभार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. एन.पी. साहू, निदेशक (कार्यवाहक) आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई, डॉ. के.एन. मोहंता, प्रमुख, मत्स्य पोषण, जैव रसायन और फिजियोलॉजी प्रभाग, आईसीएआर-सीआईएफई और डॉ. सिकेन्द्र कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक और प्रशिक्षण कार्यक्रम के समन्वयक की उपस्थिति में किया और एक प्रशिक्षण पुस्तिका जारी की गई। डॉ. साहू ने अपने उद्घाटन भाषण में इस बात पर प्रकाश डाला कि फ़ीड मिल मालिकों को मछली पोषण पर बुनियादी ज्ञान और फ़ीड मिल संचालित करने के लिए आवश्यक कौशल की आवश्यकता होती है। उन्होंने यह भी बताया कि मत्स्य खाद्य सबसे महत्वपूर्ण इनपुट है, जो जलीय कृषि में आवर्ती लागत का 60-70% हिस्सा है, और मछली उत्पादन बढ़ाने और महाराष्ट्र सरकार द्वारा परिकल्पित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, राज्य को मत्स्य खाद्य उत्पादन में आत्मनिर्भर होना चाहिए।

अपने स्वागत भाषण में, डॉ. मोहंता ने बताया कि महाराष्ट्र में विविध प्रकार की कृषि फसलों की खेती की जा रही है, जिनके उपोत्पादों का उपयोग मत्स्य खाद्य के रूप में किया जा सकता है। उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि इस व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में सैद्धांतिक कक्षाओं की तुलना में मत्स्य खाद्य और उसकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने से संबंधित व्यावहारिक कक्षाओं पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है। समन्वयक डॉ. सिकेन्द्र कुमार ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंत में, प्रशिक्षुओं ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम उनके लिए मत्स्य खाद्य के उत्पादन हेतु अत्यंत उपयोगी रहा और उन्होंने इस अत्यंत महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन के लिए सीआईएफई, मुंबई और मत्स्य पालन विभाग, महाराष्ट्र सरकार को धन्यवाद दिया।

Fig. 1: Inauguration of the training for feed mill beneficiaries of Maharashtra state

Fig. 2: Release of the training manual during the inauguration programme

Fig. 3: Production of floating feed using twin screw extruder

Fig. 4: Trainees with the floating and sinking feed after the hands-on practical

Fig 5: Lecture on the operational procedure for the twin screw extruder and other feed production equipment

Fig 6: Production of larval feed using single screw extruder and spheronizer

Fig 7: Certificate distribution to the participant after the completion of training

Fig 8: Group photo of the participants with Dr N.P. Sahu, Director, ICAR-CIFE, Mumbai and other resource persons